विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

वर्ग-दशम

विषय-हिन्दी

||अभ्यास-सामग्री||

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

हालदार साहब को हर पन्द्रहवें दिन कम्पनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुजरना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में लड़कों का एक स्कूल, लड़कियों का एक स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक नगरपालिका भी थी। नगरपालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी।

कस्बे में प्रशासनिक विकास का कार्य कराने की जिम्मेदारी किसकी थी?

'ओपन एयर सिनेमा घर' से क्या आशय है?

कस्बे में क्या-क्या था?

हालदार साहब एक भावुक देशप्रेमी इंसान हैं- उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए।

शीला अग्रवाल जैसी प्राध्यापिका किसी भी विद्यार्थी के जीवन को कैसे सँवार सकती हैं?

नेताजी की प्रतिमा की आँखों पर कैसा चश्मा लगा था? प्रतिमा वाले पत्थर का चश्मा न लगा होने के संभावित कारणों पर पठित पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए।

नगरपालिका ने नेताजी की मूर्ति चौराहे पर लगवाने की हड़बड़ाहट क्यों दिखाई थी?

हालदार साहब को मूर्ति में कौन-सी कमी खटकती थी?

1. नेताजी का चश्मा पाठ किसने लिखा है?

i स्वयं प्रकाश

ii रामववृक्ष बेनीपुरी

iii सालिम अली

iv फादर कामिल बुल्के

2. नेताजी की प्रतिमा चौराहे पर किसने लगवाई थी?

i कैप्टन चश्मेवाले ने

ii नगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारी ने

iii हालदार साहब ने

iv मास्टर ने

i हालदार साहब को

ii पानवाले को

iii चश्मेवाले को

iv मास्टर को

उत्तर—iii चश्मेवाले को

4. हालदार साहब को क्या आदत थी?

i पान खाना और मूर्ति को देखना

ii टहलना और घूमना

ii चाय पीना और लोग से बात करना।

iv उपरोक्त में से कोई विकल्प सही नहीं है।